अर्थ् शास्त्र विभाग
राष्ट्रीय सिम्पोजियम
बजट–एक विश्लेशण–2019–20
15.02.2019

` अर्थ् शास्त्र विभाग, सदनलाल सांवलदास खन्ना महिला महाविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा बजट–एक विश्लेशण–2019–20 पर एक राष्ट्रीय सिम्पोजियम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वंदना से किया गया। श्रीमती गुंजन शर्मा द्वारा स्वागत किया गया।

पुरूलिया विष्वविद्यालय बिहार से आये डॉ. संजय कुमार दास ने अपने उद्बोधन में अंतरिम बजट 2019 के विभिन्न योजनाओं की विस्तार से चर्चा करते हुए उनके सकरात्मक प्रभावों की बात कही। प्रो. असीम मुखर्जी ने स्वतंत्रता से विभिन्न बजटों की परिचर्चा करते हुए नीतियों के क्रियान्वयन और उसके परिणाम की जिम्मेदारी लेने की बात कही। उनके अनुसार आर्थिक विकास तभी संभव है जब विकास का लाभ सभी तक समान रूप से पहुँचे। वर्तमान बजट में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना एवं किसान सम्पदा योजना, जन–धन योजना को सकरात्मक दिशा में उठाया गया कदम बताया।

प्रो. मनमोहन कृष्ण ने बताया कि सामान्यतः अंतरिम बजट में चालू खाते में पूँजी खाते की तुलना में अधिक व्यय किया जाता है। वास्तव में हमें वर्तमान के साथ–साथ भविष्य में संसाधनों के संरक्षण एवम् उनके उपयोग पर ध्यान देना चाहिए जिसके लिए पूँजीगत व्यय न्यूनतम 30% अवश्य होना चाहिए। बजट व्यय का अधिकतम लाभ देश के वंचित वर्ग को प्राप्त हो। भारत में तीव्र आर्थिक विकास हेतु उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप उपयुक्त तकनीकि अपनानी चाहिए।

डॉ. अर्चना त्रिपाठी ने अतिथि प्रवक्ताओं को धन्यवाद दिया। प्राचार्या प्रो. लालिमा सिंह द्वारा विषेशज्ञों को स्मृति चिन्ह् प्रदान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अल्पना अग्रवाल, डॉ. रचना आनन्द गौड़, डॉ. मंजरी शुक्ला, बलदीप कौर, डॉ. विकास सिंह, डॉ. शिव श कर शुक्ला, डॉ. मीना चर्तुवेदी, डॉ. श्रुति आनन्द के साथ विभिन्न संकाओं की छात्राओं की प्रतिभागिता रही। कार्यक्रम का संचालन श्री सुगंध कुमार चौधरी ने किया।